उद्योगों में बढ़ाई जाएगी महिलाओं की हिस्सेदारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी के लिए सरकार कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना चाहती है। श्रम मंत्रालय ने सभी औद्योगिक संगठनों को इस दिशा में पहल करने के लिए कहा है। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, बड़े औद्योगिक संगठनों के साथ एमएसएमई से जुड़े संगठनों को भी इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए कहा गया है। अभी भारत के कार्य बल में महिलाओं की भागीदारी 37 प्रतिशत है, जबकि विश्व बैंक के मुताबिक वैश्विक स्तर पर महिलाओं की औसत भागीदारी 47.3 प्रतिशत है। चीन के कार्य बल में महिलाओं की भागीदारी 60 प्रतिशत तो ब्रिटेन में 72 प्रतिशत है।

विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक भारत अपनी जीडीपी को सात ट्रिलियन डालर के पास ले जाना चाहता है और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाए बिना यह संभव नहीं है। मैन्यूफैक्चरिंग में तेजी से आगे बढ़ रहे वियतनाम में महिलाओं की भागीदारी 68 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। यही वजह है कि कुछ माह पहले श्रम मंत्रालय ने औद्योगिक इकाइयों से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए शपथ लेने को कहा था। हालांकि, औद्योगिक इकाइयों के लिए महिलाओं की भागीदारी के लिए कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो, स्माल एंड मीडियम इंटप्राइजेज (फिस्मे) के महासचिव अनिल भारद्वाज ने बताया कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने को लेकर मंत्रालय का पत्र प्राप्त हुआ है। लेकिन उत्तर भारत में चुस्त कानून व्यवस्था के अभाव में मैन्यूफैक्चरिंग में महिलाओं की भागीदारी नहीं बढ़ पा रही है। दक्षिण भारत की कई मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट में महिलाओं की संख्या पुरुष से अधिक है। ओला इलेक्ट्रिक की एक इकाई का पूरा संचालन महिलाओं के हाथों में है। भारत में महिलाएं मुख्य रूप से कृषि सेक्टर में काम करती है। शहरी क्षेत्र के कार्य बल में महिलाओं की भागीदारी अभी 25 प्रतिशत ही पहुंच पाई है।

श्रम मंत्रालय ने मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए औद्योगिक इकाइयों से शपथ लेने को कहा

37 प्रतिशत है अभी महिलाओं की भागीदारी देश के कुल श्रम बल में, वैश्विक स्तर पर 47.3 प्रतिशत है भागीदारी का आंकड़ा